RELIEF के घटक-II की समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ी: निर्यातकों को ECGC के तहत 95% जोखिम-कवर

समाचार-संदर्भ: 26 अक्टूबर 2026 | प्रिलिम्स: RELIEF, Export Promotion Mission, ECGC, घटक-II | मुख्य परीक्षा: GS-3 व्यापार-नीति, निर्यात-सुरक्षा तंत्र



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

PIB की प्रेस-विज्ञप्ति (26 अक्टूबर 2026) के अनुसार वाणिज्य विभाग ने RELIEF (Resilience & Logistics Intervention for Export Facilitation, यानी निर्यात सुविधा हेतु लचीलापन और रसद हस्तक्षेप) के घटक-II की समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दी है। विस्तार अधिसूचना सं. 37/2026-27 (30 सितंबर 2026) से किया गया। कारण के रूप में PIB ने पश्चिम एशिया के जारी भू-राजनीतिक व्यवधान और खाड़ी तथा आसपास के क्षेत्रों में समुद्री रसद पर उनका असर बताया है।

मुख्य तथ्य (PIB के अनुसार)

नीचे की तालिका PIB की प्रेस-विज्ञप्ति पर आधारित है।

विषय	PIB के अनुसार
योजना	RELIEF, Export Promotion Mission (EPM) के तहत समय-बद्ध हस्तक्षेप; शुरुआत 19 मार्च 2026

विषय	PIB के अनुसार
विस्तार	घटक-II की समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक
अधिसूचना	सं. 37/2026-27, 30 सितंबर 2026
कवर	ECGC की Standalone और Whole Turnover पॉलिसियाँ (16 मार्च 2026 या बाद की); 95% जोखिम-कवर
प्रीमियम	पात्रता-अवधि में व्यवधान-पूर्व स्तर से ऊपर बढ़ने से सुरक्षित
कार्गो	FCL, LCL और रीफ़र कंटेनर; ऊर्जा-शिपमेंट शामिल नहीं

RELIEF क्या है

PIB के अनुसार RELIEF, Export Promotion Mission (EPM) के तहत एक समय-बद्ध हस्तक्षेप है। यह 19 मार्च 2026 को शुरू हुआ। इसका लक्ष्य खाड़ी और व्यापक पश्चिम एशियाई समुद्री गलियारे में व्यवधान से माल-भाड़े की असाधारण बढ़ोतरी, ऊँचे बीमा-प्रीमियम और युद्ध-संबंधी निर्यात-जोखिम झेल रहे भारतीय निर्यातकों की मदद करना है।

घटक-II कैसे काम करता है

घटक-II का उद्देश्य निर्यातकों को निर्दिष्ट क्षेत्रों में आने वाली खेपों के लिए ECGC (Export Credit Guarantee Corporation of India) का कवर लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसमें 95 प्रतिशत जोखिम-कवर मिलता है। लाभ 16 मार्च 2026 या उसके बाद ली गई Standalone और Whole Turnover पॉलिसियों पर है। पात्र निर्यातकों का प्रीमियम पात्रता-अवधि में व्यवधान-पूर्व स्तर से ऊपर बढ़ने से सुरक्षित रहता है। कवर में FCL, LCL और रीफ़र कंटेनर आते हैं, ऊर्जा-शिपमेंट नहीं। दावे ECGC के ग्राहक पोर्टल के माध्यम से जमा करने होते हैं।

परीक्षा की दृष्टि से मुख्य बिंदु

- RELIEF, Export Promotion Mission के तहत है; घटक-II ECGC कवर से जुड़ा है।
- घटक-II की समय-सीमा अब 31 मार्च 2027 तक है; विस्तार अधिसूचना सं. 37/2026-27 (30 सितंबर 2026) से हुआ।
- 95% जोखिम-कवर और ऊर्जा-शिपमेंट का बहिष्करण याद रखें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

1. RELIEF के घटक-II के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसकी समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ाई गई है।
2. यह ECGC कवर लेने के लिए प्रोत्साहित करता है और इसमें 95 प्रतिशत जोखिम-कवर है।
3. ऊर्जा-शिपमेंट इसके कवर में शामिल हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b)। कथन 1 और 2 विज्ञप्ति के अनुरूप हैं। कथन 3 ग़लत है, क्योंकि कवर में FCL, LCL और रीफ़र कंटेनर आते हैं और ऊर्जा-शिपमेंट शामिल नहीं हैं।

2. RELIEF के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह Export Promotion Mission के तहत एक समय-बद्ध हस्तक्षेप है, जो 19 मार्च 2026 को शुरू हुआ।
2. घटक-II का लाभ 16 मार्च 2026 या उसके बाद ली गई ECGC पॉलिसियों पर है।
3. घटक-II के दावे ECGC के ग्राहक पोर्टल के माध्यम से जमा किए जाते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (d)। तीनों कथन PIB की विज्ञप्ति के अनुरूप हैं।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

'निर्यात-संकट के समय बीमा-आधारित जोखिम-संरक्षण निर्यातकों के लिए प्रत्यक्ष नकद सहायता से अधिक टिकाऊ विकल्प हो सकता है।' RELIEF के घटक-II के संदर्भ में इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। (150 शब्द)

उत्तर की रूपरेखा:

भूमिका में: पश्चिम एशिया में समुद्री रसद के व्यवधान और RELIEF के घटक-II की समय-सीमा बढ़ने का संदर्भ दीजिए।

मुख्य भाग में: ECGC का 95 प्रतिशत जोखिम-कवर, पात्र पॉलिसियाँ और व्यवधान-पूर्व स्तर से ऊपर प्रीमियम बढ़ने से सुरक्षा समझाइए। FCL, LCL और रीफ़र कंटेनरों के समावेश तथा ऊर्जा-शिपमेंट के बहिष्करण का उल्लेख कीजिए। प्रत्यक्ष नकद सहायता से तुलना करते समय लेख में दिए बीमा-आधारित संरक्षण तक विश्लेषण सीमित रखिए।

निष्कर्ष में: निर्यातकों को जोखिम-कवर लेने के लिए प्रोत्साहन के उद्देश्य को रेखांकित कीजिए। पात्र क्षेत्रों और पात्रता-अवधि की पुष्टि मूल अधिसूचना से करने की आवश्यकता बताइए; प्रत्यक्ष नकद सहायता से श्रेष्ठता को सिद्ध तथ्य न मानिए।

स्रोत और तथ्य-सीमा

- PIB: RELIEF Component II Offers 95% Risk Coverage to Encourage ECGC Cover for Export Shipments – प्रेस-विज्ञप्ति, 26 अक्टूबर 2026; मुख्य और प्राथमिक स्रोत।

सीमा: सभी तथ्य PIB की प्रेस-विज्ञप्ति से हैं। DGFT की मूल अधिसूचना सं. 37/2026-27 का पाठ यहाँ नहीं पढ़ा गया; पात्र क्षेत्रों और 'पात्रता-अवधि' का ब्योरा अधिसूचना में देखें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: RELIEF के घटक-II की समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ाई गई है।

प्रश्न: RELIEF किस मिशन के तहत है?

यह Export Promotion Mission के तहत समय-बद्ध हस्तक्षेप है। इसका लक्ष्य पश्चिम एशियाई समुद्री गलियारे के व्यवधान से प्रभावित भारतीय निर्यातकों की मदद करना है।

प्रश्न: घटक-II में कितना जोखिम-कवर मिलता है?

इसमें 95 प्रतिशत जोखिम-कवर मिलता है। लाभ 16 मार्च 2026 या उसके बाद ली गई Standalone और Whole Turnover पॉलिसियों पर है।

प्रश्न: किस प्रकार का कार्गो कवर में आता है?

FCL, LCL और रीफ़र कंटेनर कवर में आते हैं। ऊर्जा-शिपमेंट शामिल नहीं हैं।